पंजाब केसरी
SAT,01 JANUARY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

हकेंवि के कुलपति ने दिलाया नशा मुक्त भारत का संकल्प

विद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 31 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का' के तहत शुक्रवार को शपथ समारोह का आयोजन किया गया। यह आंदोलन आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर द्वारा चलाया जा रहा है। यह आंदोलन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में चल रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से नशा मुक्त परिसर कार्यक्रम अभी तक देश के लगभग 30 विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हो चुका है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नशा मुक्त समाज आंदोलन तहत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को नशा मुक्त समाज और भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को स्वयं नशा न करने, दूसरों को नशा न करने देने की शपथ दिलाई और नशा मुक्त सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से लोगों को नशे से होने वाली हानियों के प्रति जागरूकता फैलाने और नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की। शपथ समारोह में सहायक आचार्य डा. मनीष खनगवाल, निशान सिंह, डा. मुरली, संगीता व अक्षतकांत ने सक्रिय भागीदारी की।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
1 Jan 2022

हकेंवि के वीसी ने दिलाया नशा मुक्त भारत का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल के तहत शुक्रवार को शपथ समारोह का आयोजन किया गया। यह आंदोलन शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर द्वारा चलाया जा रहा है। यह आंदोलन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में चल रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से नशा मुक्त परिसर कार्यक्रम अभी तक देश के लगभग 30 विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हो चुका है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नशा मुक्त समाज आंदोलन के तहत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को नशा मुक्त समाज और भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को स्वयं नशा न करने, दूसरों को नशा न करने देने की शपथ दिलाई और नशा मुक्त सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से लोगों को नशे से होने वाली हानियों के प्रति जागरूकता फैलाने और नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की। शपथ समारोह में आचार्य डॉ. मनीष खनगवाल, निशान सिंह, डॉ. मुरली, संगीता व अक्षतकांत ने सक्रिय भागीदारी की।

हकेंवि के कुलपति ने दिलाया संकल्प

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 'नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का' के तहत शुक्रवार को शपथ समारोह का आयोजन किया गया। यह आंदोलन आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर द्वारा चलाया जा रहा है। यह आंदोलन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में चल रहा है।

हकेंवि के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● साभार: हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से नशा मुक्त परिसर कार्यक्रम अभी तक देश के लगभग 30 विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में आनलाइन माध्यम से सम्पन्न हो चुका है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नशा मुक्त समाज आंदोलन के तहत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को नशा मुक्त समाज और भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को स्वयं नशा न करने, दूसरों को नशा न करने देने की शपथ दिलाई और नशा मुक्त सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से लोगों को नशे से होने वाली हानियों के प्रति जागरूकता फैलाने और नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की।

शपथ समारोह में सहायक आचार्य डा. मनीष खनगवाल, निशान सिंह, डा. मुरली, संगीता व अक्षतकांत ने सक्रिय भागीदारी की।

हकेंवि में डाटा साइंस और बी फॉर्मों जैसे कोर्स शुरू होंगे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हर वर्ष पांच-छह नए कोर्स शुरू करता है। 2022 में विवि की ओर मेडिकल कोर्स पर फोकस रहेगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने फिजियोथैरपी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बी-फॉर्मा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस कोर्स लाने का लक्ष्य रखा है। इनमें तीन कोर्स मेडिकल से जुड़े हैं तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा साइंस कंप्यूटर संबंधित कोर्स हैं। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर के हिसाब विवि में एक एकेडमी ब्लॉक और बनाया जाएगा। बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। एक लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी। विवि को नहरी पानी से जोड़ा जाएगा और बड़ा पानी का टैंक बनाया जाएगा, ताकि विवि में पानी की कमी न रहे।

नववर्ष का स्वागत

अपने संकल्पों पर लोगों ने खुलकर रखे विचार

नए संकल्पों के साथ की नववर्ष की शुरुआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। नव वर्ष 2022 की नई कामनाओं को लेकर बेहतर जीवन के लिए सभी आज से नव वर्ष की शुरुआत करेंगे।

नए संकल्पों के साथ नए साल की शुरूआत नए जोश के साथ शुरू हो चुकी है। हर कोई अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ दृढ़ संकल्पों के साथ नए साल की शुरुआत करते हैं।

अधिकारियों से लेकर आम आदमी ने अपने नए संकल्पों के साथ वर्ष 2022 की नई शुरुआत की। इस बारे मे लोगों से बातचीत की गई तो उन्होंने अपने संकल्पों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी।

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना रहेगी प्राथमिकता

नव वर्ष पर प्रशासन का प्रयास होगा लोगों को सरकारी सुविधाओं का अधिक से अधिक फायदा हो तथा लोगों को विभागों के कम चक्कर लगाने पड़े। नगर पालिका क्षेत्र में विकास के अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का प्रयास करेंगे। कनीना कस्बे में सड़क सीवरेज पानी लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर कर लोगों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। -सुरेंद्र सिंह, कनीना एसडीएम।

हकेंवि को एनआईआरएफ रैंकिंग में करेंगे शामिल

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग दिलाने का संकल्प लिया है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क देश की सभी टॉप यूनिवर्सिटीज, कॉलेज और अन्य शैक्षिक संस्थानों को उनके परफॉरमेंस के आधार पर रैंकिंग देने का काम करता है। इसमें देशभर की यूनिवर्सिटीज, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता के साथ अन्य सभी पैरामीटर को मापा जाता है। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के लिए तैयारी की जाएगी। इसके अलावा विवि नए कोर्स एवं भवन बनाने के भी प्रयास किए जाएंगे।

लोगों की सुरक्षा पर रहेगा विशेष ध्यान

उपमंडल क्षेत्र में लोगों को सुरक्षा देना पुलिस प्रशासन का काम है। कनीना पुलिस इस कार्य को बेहतर तरीके से कर रही है। आने वाले नव वर्ष में हमारी प्राथमिकता अपराधों पर अंकुश लगाकर लोगों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण देने की रहेगी।
- राजीव कुमार, डीएसपी, कनीना

आम जन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प

सरकार व प्रशासन की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं को आम आदमी तक बेहतर ढंग से पहुंचाना मुख्य संकल्प रहेगा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान रहेगा। प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं के समाधान का प्रयास रहेगा। लोगों कार्यों को पादर्शिता के साथ किया जाएगा। सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।
- एसडीएम दिनेश कुमार

जिले को देंगे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि वर्ष 2022 में जिले को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देंगे। कोरोना की तीसरी लहर की संभावनाएं बताई जा रही हैं। हम भगवान से यही प्रार्थना करते हैं कि तीसरी लहर न आए, अगर आती भी है तो पहले से भी बेहतर करने का प्रयास करेंगे। अब हम पहली और दूसरी लहर से बेहतरीन स्थिति में है। जिले में एक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जा चुका है और एक पर काम चल रहा है। वैक्सीनेशन का लक्ष्य भी हम बहुत जल्द पूरा कर लेंगे।

शहर चमकाने का लिया है संकल्प

नगरपालिका ईओ सुमन लता ने बताया कि नए वर्ष पर शहर को चमकाने का फैसला लिया है। ईओ ने कहा कि वो शहर की साफ-सफाई पर पूरा ध्यान देंगी। इसके लिए शहर को छह जोन में बांटा गया है और हर जोन पर एक अधिकारी नियुक्त किया गया है। विकास कार्यों जो प्रोजेक्ट बचे हुए हैं। उनमें तेजी लाएंगी। शहर के रोड़ों पर भी तेजी से विकास करवाया जाएगा। शहर को बेसहारा गोवंश मुक्त करने का भी प्रयास किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on Feed the Growing India with the Goodness of Pearl Millet Products

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 04-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारम्भ

कुलपति ने गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के निर्माण व प्रचार-प्रसार के लिए बिजनैस मॉडल विकसित करने पर दिया जोर

महेंद्रगढ़, 3 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनैस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से 5 दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनैस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमैंट एंड डिवैल्पमैंट (सीड) के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है, जिससे बने खाद्य पदार्थों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर पहचान बनाने का दम रखता है।

कुलपति ने इस कार्यशाला में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से उनके उत्पादों को बेहतर बनाने और उनके लिए एक बिजनैस मॉडल विकसित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती

हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डा. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसका उपयोग कर शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि बाजरे से बने पारम्परिक व मूल्यवर्धित व्यंजनों के प्रचार-प्रसार से ग्रामीण महिलाएं व कृषक लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने बाजरे से निर्मित मूल्यवर्धित उत्पादों की समयावधि बढ़ाने की तकनीकी पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बाजरे का चिकित्सीय आहार के रूप में वर्णन किया। कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डा. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डा. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि 5 दिवसीय इस कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ौतरी हेतु तकनीक, स्वस्थापित सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, सहायक आचार्य डा. सुनीता तंवर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 04-01-2022**

कार्यक्रम

खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं के लिए कार्यशाला आयोजित

देश में उपलब्ध खाद्यान्न पोषण से भरपूर : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न पोषण से भरपूर हैं। उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फॉर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण महिलाओं को उल्लेखनीय प्रगति करने का अवसर मिलेगा।

हकेंवि में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डॉ. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि बाजरे से बने पारंपरिक व मूल्यवर्धित व्यंजनों के प्रचार-प्रसार से ग्रामीण महिलाएं व कृषक लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के सह संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने बाजरे से निर्मित मूल्यवर्धित उत्पादों की समयावधि बढ़ाने की तकनीकी पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बाजरे का चिकित्सीय आहार के रूप में वर्णन किया।

आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डॉ. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड़ व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ोतरी की तकनीक, स्वास्थापित सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 04-01-2022**

पोषण पर फोकस • कुलपति ने गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के निर्माण व प्रचार-प्रसार हेतु बिजनेस मॉडल विकसित करने पर दिया जोर

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस

केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

फोर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है, जिससे बने खाद्य पदार्थों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर पहचान बनाने का दम रखता है। कुलपति ने इस कार्यशाला में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से उनके उत्पादों को बेहतर बनाने और उनके लिए एक बिजनेस मॉडल विकसित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डॉ. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसका उपयोग कर शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डॉ. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड़ व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि पांच दिवसीय इस कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ोतरी हेतु तकनीक, सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 04-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद सहयेगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस माडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस आफ बाजरा प्रोडक्ट पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं। उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से इस कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 04-01-2022**

बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर केंद्रित कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagat Kranti **Date: 04-01-2022**

खाद्य उत्पादों पर केन्द्रित कार्यशाला का शुभारम्भ

ईश्वर तिवारी ⏭ महेन्द्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पाँच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है जिससे बने खाद्य पदार्थों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने का दम रखता है।

पोषण पर फोकस • कुलपति ने गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के निर्माण व प्रचार-प्रसार हेतु बिजनेस मॉडल विकसित करने पर दिया जोर

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे।

केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है, जिससे बने खाद्य पदार्थों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर पहचान बनाने का दम रखता है। कुलपति ने इस कार्यशाला में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से उनके उत्पादों को बेहतर बनाने और उनके लिए एक बिजनेस मॉडल विकसित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डॉ. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसका उपयोग कर शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डॉ. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड़ व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि पांच दिवसीय इस कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ोतरी हेतु तकनीक, सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस माडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस आफ बाजरा प्रोडक्ट पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं। उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से इस कार्यशाला के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम

खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं के लिए कार्यशाला आयोजित

देश में उपलब्ध खाद्यान्न पोषण से भरपूर : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न पोषण से भरपूर हैं। उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फॉर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा

हकेंवि में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। संवाद

प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण महिलाओं को उल्लेखनीय प्रगति करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजरा सदैव से ही पोषक खाद्यान्न रहा है व इसके बने उत्पादों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो इन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र हिसार के डॉ. रमेश कुमार ने मानव आहार में बाजरे की उपयोगिता विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि बाजरे से बने पारंपरिक व मूल्यवर्धित व्यंजनों के प्रचार-प्रसार से ग्रामीण महिलाएं व कृषक लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के सह संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने बाजरे से निर्मित मूल्यवर्धित उत्पादों की समयावधि बढ़ाने की तकनीकी पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बाजरे का चिकित्सीय आहार के रूप में वर्णन किया।

आयोजन समिति के सदस्य प्रो. सुनील कुमार, डॉ. सविता बुधवार, कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ की डॉ. पूनम यादव, विश्वविद्यालय की शोधार्थी मेघा जाखड़ व मनाली चक्रवर्ती ने बताया कि कार्यशाला में बाजरा उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता में बढ़ोतरी की तकनीक, स्वास्थापित सेवा समूहों की कार्यप्रणाली और बाजरे से बनने वाले उत्पादों पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

खाद्य उत्पादों पर केन्द्रित कार्यशाला का शुभारम्भ

ईश्वर तिवारी ⏭ महेन्द्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सोमवार से ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से पाँच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत में उपलब्ध खाद्यान्न उत्पाद पोषण से भरपूर हैं और उनके उचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से उन्हें एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में विशेष रूप से पोषण से भरपूर परम्परागत भारतीय उत्पादों का उल्लेख किया और कहा कि बाजरा ऐसा ही एक उत्पाद है जिससे बने खाद्य पदार्थों की यदि उचित मार्केटिंग की जाए तो यह विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने का दम रखता है।

हकेंवि में पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार 11 से

महेन्द्रगढ़, 5 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

दैनिक ट्रिब्यून

शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को सूर्य नमस्कार उपयोगी : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः सात बजे से साढे सात तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय

प्रो टंकेश्वर कुमार।

के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है। उन्होंने कहा कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार बहुत उपयोगी है। जिससे स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है। डा. अजय पाल ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डा. रवि कुमार के निर्देशन में विवि के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं।

हकेंवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देश भक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डा. दिलीप कुमार पटेल द्वारा बनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिन्ह की प्रति भी भेंट की गई। विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहआचार्य डा. धर्मपाल पूनिया ने कुलपति का परिचय दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के माध्यम से विभिन्न प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सागवान, प्रो. सुनील कुमार, डा. नरेंद्र परमार एवं डा. सरन प्रसाद शामिल रहे। इस अवसर पर प्रस्तुतियों के आधार पर देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी क्रम में लोरी गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली एवं तृतीय पुरस्कार अचला रानी डे एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार व तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किए। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. मनीष ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहायक आचार्य डा. रुबल कलिता ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिन्ह भेंट करते आयोजन समिति के सदस्य ● साभार संस्था

पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार का हकेंवि में विकल्प

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को आफलाइन के साथ-साथ आनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब आनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से होगी।

प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार शरीर में उत्पन्न करता है ऊर्जा का संचार : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में, आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में, 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को सुबह 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक रूप से हम स्वस्थ रह सकते है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि सूर्य नमस्कार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है। डॉ. अजय पाल ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। जिसे विश्वविद्यालय पूरे मनोयोग से कर रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डॉ. रवि कुमार के निर्देशन में विश्वविद्यालय के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं, यह अभ्यास अगले 21 दिनों तक चलेगा।

हकेवि में पीएचडी में दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफ लाइन साक्षात्कार का विकल्प

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार उपयोगी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) भी आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में साझेदार बना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है और कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने सूर्य नमस्कार के संबंध में बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण यौगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है

देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप प्रथम

आजादी का अमृत महोत्सव : हकेंविवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित, वर्चुअल माध्यम से किया गया आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देशभक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के दिव्यांग प्रकोष्ठ द्वारा यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार पटेल द्वारा बनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिह्न की प्रति भेंट की गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को प्रतीक चिह्न भेंट करते समिति के सदस्य। संवाद

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सह आचार्य डॉ. धर्मपाल पूनिया ने कुलपति का परिचय दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सागवान, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. नरेंद्र परमार एवं डॉ. सरन प्रसाद शामिल रहे। प्रस्तुतियों के आधार पर देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी क्रम में लोरी गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली को दिया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार, तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किए। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष ने किया।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार उपयोगी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) भी आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में साझेदार बना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है और कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने सूर्य नमस्कार के संबंध में बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण यौगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है

हकेंविवि

पीएचडी दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

पीएचडी के लिए साक्षात्कार 11 जनवरी को

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों की माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

छह विद्यार्थियों को मिली नौकरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप छह विद्यार्थियों को नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट मिली है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत हैं।

सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र

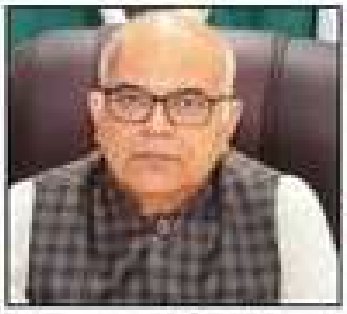

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं।

इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कंपनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से 7 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया गया है।

विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा से विवि का नाम रोशन करेंगे

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप छह विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

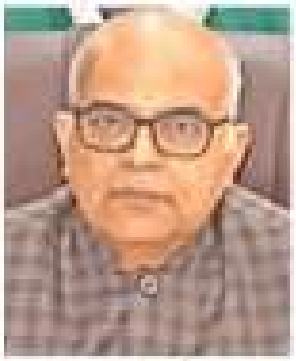

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंविवि

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डा. विकास गर्ग और उपनिदेशक डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान और आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी और हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कंपनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से सात लाख रुपये का पैकेज आफर किया गया है।

हकेवि के 6 विद्यार्थियों की हुई प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप 6 विद्यार्थियों की प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं।

हकेवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का हुआ समापन

-कुलपति बोले प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

महेंद्रगढ़ ,एनसीआर हरियाणा, (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस

कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरूआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठायेंगे।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पाँच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर कार्यशाला संपन्न

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस माडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है। कुलपति ने समापन सत्र में कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का समापन

हकेंवि में पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण, उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में क्षेत्र की 30 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फॉर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी।

विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यानों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संवाद

प्रतिभागियों को दिए प्रमाण पत्र

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम • केंद्रीय विवि में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में 30 महिलाओं को किया प्रशिक्षित

बाजरे के खाद्य उत्पादों पर आधारित कार्यशाला का हुआ समापन, वीसी बोले- प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे। कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-01-2022**

हकेंविवि | पीएचडी दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

पीएचडी के लिए साक्षात्कार 11 जनवरी को

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों की माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-01-2022**

हकेवि में पीएचडी में दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफ लाइन साक्षात्कार का विकल्प

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-01-2022**

पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार का हकेंवि में विकल्प

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को आफलाइन के साथ-साथ आनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब आनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से होगी।

प्रो सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 06-01-2022**

हकेंवि में पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार 11 से

महेन्द्रगढ़, 5 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-01-2022**

पीएचडी के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन विकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध करवाया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निदेशों के तहत विश्वविद्यालय के

विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों की माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी हेतु योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-01-2022**

हकेंवि में पीएच.डी. दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

महेंद्रगढ़, 5 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध करवाया है।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी हेतु योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-01-2022**

देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप प्रथम

आजादी का अमृत महोत्सव : हकेंविवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित, वर्चुअल माध्यम से किया गया आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देशभक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय के दिव्यांग प्रकोष्ठ द्वारा यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार पटेल द्वारा बनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिह्न की प्रति भेंट की गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को प्रतीक चिह्न भेंट करते समिति के सदस्य। संवाद

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सह आचार्य डॉ. धर्मपाल पूनिया ने कुलपति का परिचय दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सागवान, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. नरेंद्र परमार एवं डॉ. सरन प्रसाद शामिल रहे। प्रस्तुतियों के आधार पर देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी क्रम में लोरी गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली को दिया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार, तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किए। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष ने किया।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार उपयोगी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) भी आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में साझेदार बना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है और कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने सूर्य नमस्कार के संबंध में बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण यौगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-01-2022**

हकेंवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देश भक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डा. दिलीप कुमार पटेल द्वारा बनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिन्ह की प्रति भी भेंट की गई। विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिन्ह भेंट करते आयोजन समिति के सदस्य ● सामार संस्था

में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। सहआचार्य डा. धर्मपाल पूनिया ने कुलपति का परिचय दिया। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के माध्यम से विभिन्न प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सागवान, प्रो. सुनील कुमार, डा. नरेंद्र परमार एवं डा. सरन प्रसाद शामिल रहे। इस अवसर पर प्रस्तुतियों के आधार पर देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी क्रम में लोरी गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली एवं तृतीय पुरस्कार अचला रानी डे एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार व तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किए। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. मनीष ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहायक आचार्य डा. रुबल कलिता ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-01-2022**

आजादी का अमृत महोत्सव तहत हकेंवि में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत देशभक्ति गीत, लोरी गीत और रंगोली पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रतिभागियों को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न पक्षों को जानने-समझने का अवसर प्राप्त होता है। इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति को आयोजन समिति की ओर से सहायक आचार्य डा. दिलीप कुमार पटेल द्वारा बनाए गए आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतीक चिन्ह की प्रति भी भेंट की गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आजादी का अमृत महोत्सव का प्रतीक चिन्ह भेंट करते आयोजन समिति के सदस्य।

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के माध्यम से विभिन्न प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर प्रस्तुतियों के आधार पर देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में संदीप कुमार ने प्रथम पुरस्कार, शिवम कुमार चौधरी ने द्वितीय पुरस्कार एवं मौसम कुमारी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी क्रम में लोरी गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सचिन यादव, द्वितीय पुरस्कार जामिनी डोली एवं तृतीय पुरस्कार अचला रानी डे एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अमृता प्रियदर्शनी साहू, द्वितीय पुरस्कार अमन गंगवार व तृतीय पुरस्कार सुरभि ने प्राप्त किए। कार्यक्रम में मंच संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डा. मनीष ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहायक आचार्य डा. रुबल कलिता ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-01-2022**

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार उपयोगी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) भी आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में साझेदार बना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है और कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने सूर्य नमस्कार के संबंध में बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण यौगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-01-2022**

सूर्य नमस्कार शरीर में उत्पन्न करता है ऊर्जा का संचार : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में, आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में, 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को सुबह 7 बजे से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक रूप से हम स्वस्थ रह सकते है। कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि सूर्य नमस्कार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है। डॉ. अजय पाल ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। जिसे विश्वविद्यालय पूरे मनोयोग से कर रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डॉ. रवि कुमार के निर्देशन में विश्वविद्यालय के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं, यह अभ्यास अगले 21 दिनों तक चलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-01-2022**

शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को सूर्य नमस्कार उपयोगी : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और अंतर्विषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय की अध्यक्षा प्रोफेसर नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः सात बजे से साढे सात तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के बेहद उपयोगी बताया है। उन्होंने कहा कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार बहुत उपयोगी है। जिससे स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है। डा. अजय पाल ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डा. रवि कुमार के निर्देशन में विवि के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-01-2022**

शारीरिक, मानसिक स्वस्थ्य के लिए सूर्य नमस्कार उपयोगी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 5 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ भी आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फैडरेशन के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के उपलक्ष्य में, 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का अभ्यास के प्रयास में सांझेदार बना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा और प्रो. नीलम सांगवान के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से आयोजित इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रात: 7 से 7.30 तक 13 बार सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को बेहद उपयोगी बताया है और

सूर्य नमस्कार के अभ्यास दौरान उपस्थित हकेंवि परिवार के सदस्य।

कहा कि इस माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

कुलपति ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि सूर्य नमस्कार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह आसनों का एक समूह है, जिसमें सभी प्रकार के आसनों का समावेश होने के कारण यह अपने आप में एक पूर्ण योगिक अभ्यास का पर्याय बन जाता है। जैसे सूर्य पूरे ब्रह्मांड को प्राण का प्रवाह प्रदान करता है, वैसे ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास व्यक्ति में प्राण और ऊर्जा का संचार कर उसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाने में योगदान देता है।

डा. अजय पाल ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारतवर्ष में अनेक प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्हीं कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम 75 करोड़ सूर्य नमस्कार का भी रखा गया है। जिसे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पूरे मनोयोग से कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास के लिए डा. रवि कुमार के निर्देशन में विश्वविद्यालय के लोग प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं, यह अभ्यास अगले 21 दिनों तक चलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Online/Offline interview for Ph.D. Admission

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-01-2022**

हकेंविवि | पीएचडी दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

पीएचडी के लिए साक्षात्कार 11 जनवरी को

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों की माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-01-2022**

हकेवि में पीएचडी में दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफ लाइन साक्षात्कार का विकल्प

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-01-2022**

पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार का हकेंवि में विकल्प

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत आगामी 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को आफलाइन के साथ-साथ आनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब आनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से होगी।

प्रो सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी के लिए योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 06-01-2022**

हकेंवि में पीएचडी दाखिले के लिए साक्षात्कार 11 से

महेन्द्रगढ़, 5 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध कराया है।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-01-2022**

पीएचडी के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन विकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध करवाया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निदेशों के तहत विश्वविद्यालय के

विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों की माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी हेतु योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-01-2022**

हकेंवि में पीएच.डी. दाखिले के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन साक्षात्कार का विकल्प

महेंद्रगढ़, 5 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी. पाठ्यक्रमों की दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत 11 जनवरी को साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए एहतियातन साक्षात्कार की प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदकों को ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन सम्मिलित होने का भी विकल्प उपलब्ध करवाया है।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी निर्देशों के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली साक्षात्कार की प्रक्रिया अब ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगी। प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार साक्षात्कार संबंधी अन्य जानकारी हेतु योग्य आवेदक संबंधित विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Six Students got Placement

Newspaper: Amar Ujala **Date: 07-01-2022**

छह विद्यार्थियों को मिली नौकरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप छह विद्यार्थियों को नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट मिली है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत हैं।

सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं।

इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कंपनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से 7 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया गया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 07-01-2022**

हकेवि के 6 विद्यार्थियों की हुई प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप 6 विद्यार्थियों की प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट हुई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 07-01-2022**

विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा से विवि का नाम रोशन करेंगे

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप छह विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंविवि

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डा. विकास गर्ग और उपनिदेशक डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान और आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी और हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कंपनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से सात लाख रुपये का पैकेज आफर किया गया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 07-01-2022**

हकेंवि पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार भी उपलब्ध करवा रही

छह छात्रों की प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप छह विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों नेग्रो, एक्सीडेंस कंसल्टिंग, नेकस्टजेन इंवेंट में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सेंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणाम स्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डा. विकास गर्ग व उपनिदेशक डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित हुए हैं। इनमें बीटेक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एमसीए की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नेकस्टजेन इंवेंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडेंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमेंट मिला है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कंपनियों द्वारा 4.4 लाख रुपये से 7 लाख रुपये का पैकेज ऑफर किया गया है।

महेंद्रगढ़। हकेवि जाट-पाली। फोटो: हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-01-2022**

हकेंवि के 6 विद्यार्थियों को मिला प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमैंट

महेंद्रगढ़, 6 जनवरी (मोहन, परमजीत):हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप 6 विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कम्पनियों नेग्रो, एक्सीडैंस कंसल्टिंग, नैकस्टजेन इंवैंट में प्लेसमैंट प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को मिले इस अवसर के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अवश्य ही अपनी प्रतिभा के माध्यम से विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैंटर के माध्यम से निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है। सैंटर के इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैंटर के निदेशक डा. विकास गर्ग व उपनिदेशक डा. जितेंद्र कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के 4 विद्यार्थी नेग्रो नामक प्रतिष्ठित कम्पनी में चयनित हुए हैं। इनमें बी.टैक की पूनम सांगवान व आशुतोष तिवारी तथा एम.सी.ए. की महिमा कुमारी व हर्षित बंसल के नाम शामिल हैं। इसी क्रम में सांख्यिकी विभाग प्रभारी डा. देवेंद्र कुमार ने बताया कि विभाग के शोधार्थी इंद्रजीत कुमार को नैकस्टजेन इंवैंट प्राइवेट लिमिटेड में जूनियर डाटा साइंटिस्ट के पद पर नियुक्ति प्राप्त हुई है तथा एक अन्य छात्र अरुण कुमार को एक्सीडैंस कंसल्टिंग में रिस्क एनालिस्ट के पद पर प्लेसमैंट मिला है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राप्त रोजगार के अवसर के अंतर्गत कम्पनियों द्वारा 4.4 लाख से 7 लाख रुपए का पैकेज ऑफर किया गया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on Feed the Growing India with the Goodness of Pearl Millet Products

(Valedictory Session)

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-01-2022**

बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का समापन

हकेंवि में पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण, उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में क्षेत्र की 30 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फॉर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी।

विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यानों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संवाद

प्रतिभागियों को दिए प्रमाण पत्र

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-01-2022**

कार्यक्रम • केंद्रीय विवि में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में 30 महिलाओं को किया प्रशिक्षित

बाजरे के खाद्य उत्पादों पर आधारित कार्यशाला का हुआ समापन, वीसी बोले- प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे। कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर कार्यशाला संपन्न

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस माडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है। कुलपति ने समापन सत्र में कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 08-01-2022**

हकेवि में बाजरे से बने उत्पादों पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई।

कार्यशाला को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: NCR Haryana **Date: 08-01-2022**

हकेवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का हुआ समापन

-कुलपति बोले प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

महेंद्रगढ़ ,एनसीआर हरियाणा, (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस

कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरूआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठायेंगे।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पाँच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

■ प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभः कुलपति

महेंद्रगढ़, 7 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनैस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनैस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरूआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे।

कार्यशाला के समापन पर प्रतिभाग को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ हैं अन्य।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमैंट एंड डिवैल्पमैंट (सीड) के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस 5 दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 08-01-2022**

बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का समापन

हकेंवि में पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण, उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में क्षेत्र की 30 महिलाओं ने हिस्सा लिया।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे।

कुलपति ने कहा कि विज्ञान भारती हरियाणा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फॉर इक्विटी, एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी।

विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यानों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संवाद

प्रतिभागियों को दिए प्रमाण पत्र

कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 08-01-2022**

कार्यक्रम • केंद्रीय विवि में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में 30 महिलाओं को किया प्रशिक्षित

बाजरे के खाद्य उत्पादों पर आधारित कार्यशाला का हुआ समापन, वीसी बोले- प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे। कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर कार्यशाला संपन्न

पांच दिवसीय कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक बिजनेस माडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरुआत हुई है। कुलपति ने समापन सत्र में कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभान्वित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पांच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 08-01-2022**

हकेवि में बाजरे से बने उत्पादों पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई।

कार्यशाला को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: NCR Haryana **Date: 08-01-2022**

हकेवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला का हुआ समापन

-कुलपति बोले प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभ

महेंद्रगढ़ ,एनसीआर हरियाणा, (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटीं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनेस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनेस ऑफ बाजरा प्रोडेक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस

कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरूआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठायेंगे।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी। कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस पाँच दिवसीय इस कार्यशाला के अंतर्गत करीब तीस महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-01-2022**

हकेंवि में बाजरे से बने खाद्य उत्पादों पर आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

■ प्रशिक्षण के प्रयोग से मिलेगा लाभः कुलपति

महेंद्रगढ़, 7 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में ग्रामीण क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के विकास में जुटी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण व उनके प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक बिजनैस मॉडल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ।

फीड द ग्रोइंग इंडिया विद द गुडनैस ऑफ बाजरा प्रोडक्ट्स पर केंद्रित इस कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के समापन के साथ एक नई शुरूआत हुई है और मुझे आशा है कि यहां अर्जित प्रशिक्षण का लाभ प्रतिभागी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उठाएंगे।

कार्यशाला के समापन पर प्रतिभाग को प्रमाण पत्र देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ हैं अन्य।

कुलपति ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा विज्ञान भारती हरियाणा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस फोर इक्विटी, एम्पावरमैंट एंड डिवैल्पमैंट (सीड) के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के माध्यम से अवश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं लाभांवित होंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित विज्ञान भारती हरियाणा की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भारतीय खाद्यान्नों की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से पोषक खाद्यान्नों के प्रचार-प्रसार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की संयोजिका डा. सविता बुधवार ने बताया कि सीड के सहयोग से आयोजित इस 5 दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत करीब 30 महिला प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया और समापन सत्र में उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान भी उपस्थित रहीं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi, Indian Express & Financial Express

Date: 08-01-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़ - 123031 (हरियाणा)

दर संविदा

केमिकल, कांच के उपकरण, फिल्टर पेपर, प्लास्टिक के उपकरण, गैस सिलिंडर, विभिन्न ग्रेड के गैस एवं अन्य प्रयोगशाला उपकरणों आदि (मद में लागत रू. 5 लाख से अधिक नहीं होगी) की खरीद एवं सर्विस (डीएनए/ आरएनए/ पेप्टाइड अनुक्रमण सेवाएं और क्रोमैटोग्राफिक सेवाएं/ विश्लेषणात्मक सेवाएं आदि) हेतु प्रतिष्ठित निर्माताओं/ वितरकों/ अधिकृत विक्रेताओं से सीलबंद लिफाफों में दर संविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। संविदा की अवधि 01.02.2022 से 31.03.2023 तक है। दर संविदाएं **कुलसचिव, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जांट पाली, महेन्द्रगढ़–123031** में **28.01.2022** को **अपराह्न 2:30 बजे** तक पहुंच जानी चाहिए। दर संविदा की अधिक जानकारी, प्रपत्रों एवं प्रारूपों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cuh.ac.in** देखें।

कुलसचिव

CENTRAL UNIVERSITY OF HARYANA

NAAC Accredited 'A' Grade University

MAHENDERGARH - 123031 (HARYANA)

RATE CONTRACT

Offers in sealed cover are invited from reputed Manufacturers/Authorized Dealers for having Rate Contract for the purchase of Chemicals, Glasswares, Plasticwares, Filter Papers, Gas Cylinders and Gases of Various Grades, Sequencing Services, Laboratory Equipment (costing not more than Rs.5 Lakhs) etc., and services (DNA/RNA/peptide sequencing services and chromatographic services/ analytical services etc). for the period from 1/2/2022 to 31/03/2023. The offers complete in all respects be sent to the **Registrar, Central University of Haryana, Jant-Pali, Mahendergarh - 123031, Haryana** on or before **28-1-2022 up to 2:30 PM.** For details about Rate Contract Proforma and format for Rate Contract Agreement etc. please visit university website **www.cuh.ac.in**

REGISTRAR

परिवहन क्षेत्र में उपलब्ध चुनौतियों को समझकर खुद को करें तैयार

हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: परिवहन क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है और इसके माध्यम से हम भारत सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटीज के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को जानने समझने की ओर उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो.नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. स्वयं

की संभावनाओं और चुनौतियों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज-चैलेंजेस एंड ओपोच्युर्निटीज विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट सिटीज की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागियों को इस दिशा में नए प्रयास करने का बल मिलेगा। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों का उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटीज की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। आनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों के उत्तर दिए। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो.पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कर्मचारी शामिल हुए।

CUH HOLDS YOUTH PARLIAMENT

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) organised National Environment Youth Parliament 2022 in collaboration with Paryavaran Sanrakshan Gatividhi on the theme "Role of individuals/households in adopting environmental-friendly conservation measures". Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar laid emphasis on the need to conserve nature for coming generations.

मानव से महामानव बनने की प्रेरणा देता है, नेताजी का जीवन : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नेताजी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

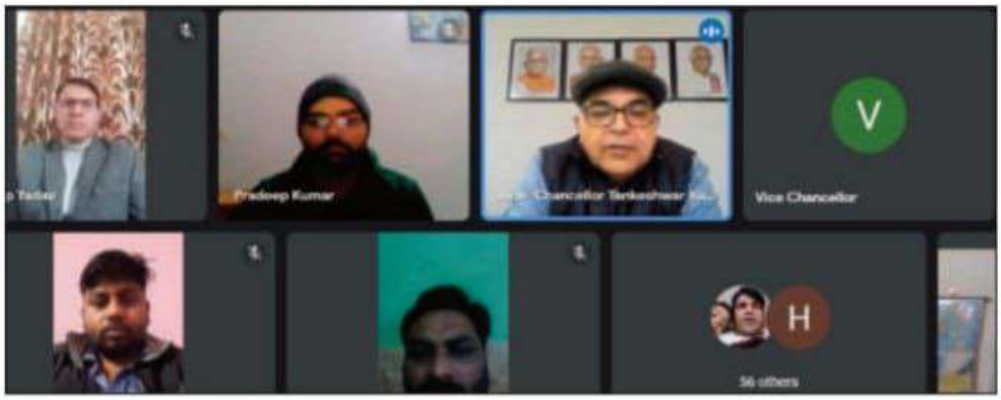

चंडीगढ़। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, जिसे हमारा देश पराक्रम दिवस के रूप में मना रहा है, के उपलक्ष्य में भारतीय शिक्षण मंडल और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के तत्वाधान में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख एवं पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने ने वेबिनार को सम्बोधित करते हए कहा कि देश को सही दिशा में ले जाने में युवाओं की भूमिका बहुत अहम है। युवा पीढ़ी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

नेताजी सुभाष बोस का जीवन, मानव से महामानव बनने की प्रेरणा देता है। वेबिनार के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप यादव रखी और उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय शिक्षण मंडल, भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जन सामान्य के लिए कैसे उपयोगी बनाया जा सकता है? भारतीय शिक्षण मंडल का उसमें क्या कार्य है और उसकी क्या जिम्मेदारियां हैं? उसके बारे में विस्तृत चर्चा की। डॉ. प्रदीप कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की आजादी में बहुत से लोगों का योगदान है। देश के लिए जीने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले युवाओं की आवश्यकता है, जो देश के लिए जी सकें। नेताजी की लोकप्रियता स्वतंत्रता आंदोलन के समय अधिक थी, जिससे उस समय के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें दूर करने के लिए षड्यंत्रकारी उपाय अपनाये।

नेताजी के विचारों को जीवन में चरितार्थ करें

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पराक्रम दिवस के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्वतंत्रता संग्राम एवं आजादी में भूमिका विषय पर आनलाइन माध्यम से विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आनलाइन वेबिनार में हिस्सा लेते अभाविप के सदस्य व अन्य● वेबिनार

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. पूजा राव राष्ट्रीय सह-संयोजिका शोध, मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार कुलपति हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद शास्त्री पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभाविप हरियाणा रहे। वेबिनार के माध्यम से अनमोल रतन ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत अनुराधा ने परिषद गीत द्वारा की। आनलाइन व्याख्यान में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अभिभाषण में सुभाष चंद्र बोस के अदम्य साहस का वर्णन किया। विशिष्ठ अतिथि प्रो. प्रमोद शास्त्री ने सुभाष चंद्र बोस और हिटलर के ऐतिहासिक मिलन का व्याख्यान किया।

विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस की शिक्षाओं को सामान्य जीवन में चरितार्थ करें। इस अवसर पर रेवाड़ी विभाग के जिला संगठन मंत्री राकेश, रेवाड़ी विभाग संयोजक विनय उपस्थित रहे।

व्याख्यान

हकेंविवि में विशेषज्ञ व्याख्यान में हरित ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग की जानकारी दी

स्मार्ट सिटी के विकास में आधुनिक परिवहन व्यवस्था अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। परिवहन के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है। इसके माध्यम से हम केंद्र सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटी के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को समझने की और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस मौके पर कुलपति ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों को जानने समझने में मदद मिलेगी। इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फॉर स्मार्ट सिटीज चौलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज विषय पर आयोजित व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोऑडिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से यह सेंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

उन्होंने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों के उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटी की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सूरज आर्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें।

इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

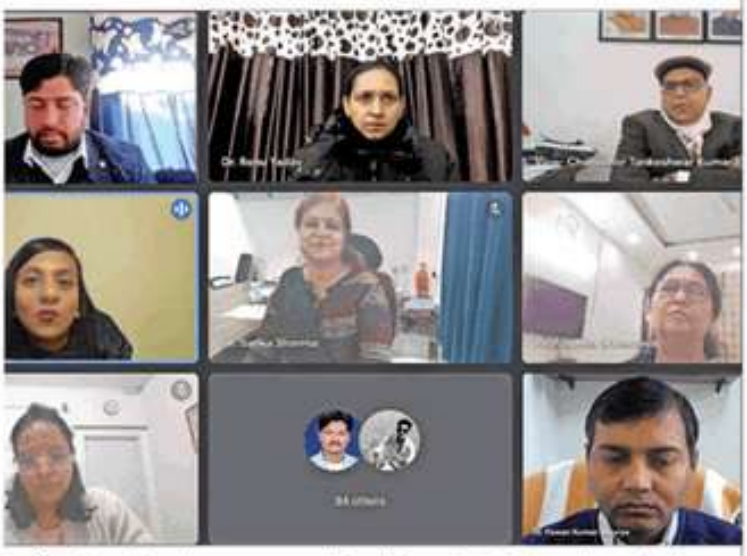

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं ओर से ऊपर वाले कालम में सबसे पहले: ● सौ. हकेंविवि

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तीकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों और परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल और सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव और आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें। ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विवि की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्णः प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने

विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण - प्रो. टंकेश्वर

नारनौल| भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार केंविवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

'महिलाएं आज भी नहीं ले पातीं निर्णय'

हकेंविवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वेबिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

देश के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। ईरा सिंघल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणाम स्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव, आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक: कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

हकेवि की छात्रा सिमरन चौहान पहुंची एनईवाईपी के फाइनल में

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घा सी दा स वि श्व वि द्या ल य, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया। नारनौल निवासी श्री शिवचरण चौहान की पुत्री सिमरन ने बताया कि वह देश की सेवा की इच्छुक है और इसके लिए वह सिविल सर्विसेज के लिए भी तैयारी कर रही है। यहां बता दें कि सिमरन मार्शल आर्ट में भी महारत रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी है।

हकेविवि की छात्रा सिमरन चौहान एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना की। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद (एनईवाईपी) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को भारत की संसद में आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने स्वजन को दिया।

सिमरन चौहान ● सौ. हकेवि

सिमरन ने राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद में किया उल्लेखनीय प्रदर्शन, 27 फरवरी को भारत की संसद में होने वाली प्रतियोगिता में लेंगी भाग

नारनौल निवासी शिवचरण चौहान की पुत्री सिमरन ने बताया कि वह देश की सेवा की इच्छुक हैं और इसके लिए वह सिविल सर्विसेज के लिए भी तैयारी कर रही है। यहां बता दें कि सिमरन मार्शल आर्ट में भी महारत रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी हैं।

सिमरन की मां मंजू चौहान ने बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बेटियां अब बेटों से आगे हैं। इस बात को सिमरन ने साबित कर दिया है।

एनईवाईपी के फाइनल राउंड में हकेंवि की छात्रा सिमरन का चयन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 में

उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि फाइनल राउंड में शीर्ष दस प्रतिभागियों को स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया है।

छात्रा सिमरन एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट एनईवाईपी 2022 उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के तहत आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है, जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा।

ह.कें.वि. की छात्रा सिमरन एन.ई.वाई.पी. के फाइनल में

महेंद्रगढ़, 25 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नैशनल एन्वायरनमैंट यूथ पार्लियामैंट (एन.ई.वाई.पी.) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एम.टैक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राऊंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

सिमरन चौहान।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राऊंड में शीर्ष 10 प्रतिभागियों में स्थान मिला है, जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया।

पंजाब केसरी
FRI,28 JANUARY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 2

हकेंवि को जन-जन तक पहुंचाएगा सी.यू.एच. कैंपस मॉल

कुलपति बोले-विश्वविद्यालय सहभागियों के साथ-साथ आमजन तक पहुंचना है लक्ष्य

महेंद्रगढ़ 27 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ अब अपनी ब्रांडिंग वाले उत्पादों के साथ ऑनलाइन माध्यम से जन-जन तक पहुंचने जा रहा है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों सहित पूर्व विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने अपने एक अनोखे प्रयास के माध्यम से आमजन तक पहुंचने की पहल की है। सी.यू.एच. कैंपस मॉल नामक इस पहल के माध्यम से अब विश्वविद्यालय के नाम, लोगो व अन्य उपयोगी व उल्लेखनीय प्रयासों को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न उत्पाद ऑनलाइन स्टोर पर खरीदे जा सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस पहल को बेहद उपयोगी और आधुनिक समय की मांग बताया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार कैंपस मॉल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुर के साथ ऑनलाइन माध्यम से ई-मर्चैंट स्टोर का उद्घाटन करते समय।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सच्चे ब्रांड एम्बैसेडर उसके विद्यार्थी, शोधार्थी, पूर्व विद्यार्थी व उनके अभिभावक होते हैं और हम सी.यू.एच. कैंपस मॉल नामक इस प्रयास के माध्यम से अपनी पहचान को विभिन्न सहभागियों के साथ सांझेदारी विकसित कर जन-जन तक पहुंचाने जा रहे हैं ।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कुमार ने वीरवार को कैंपस मॉल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुर के साथ ऑनलाइन माध्यम से ई-मर्चैंट स्टोर सी.यू.एच. कैंपस मॉल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय के सहभागी इन उत्पादों के माध्यम से जन-जन तक हमारी पहुंच बनाने में मददगार साबित होंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के आऊटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत ई-स्टोर की इस शुरूआत से विभिन्न उत्पादों के माध्यम से विश्वविद्यालय की पहचान कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोगों से करा सकेंगे।

ऑनलाइन ई-स्टोर सी.यू.एच. कैंपस मॉल नामक इस प्रयास के विषय में निदेशक, आऊटरीच कार्यक्रम डॉ. अजय पाल ने बताया कि इस ऑनलाइन स्टोर पर विश्वविद्यालय की ब्रांडिंग आधारित विभिन्न उत्पाद उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व कैंपस मॉल के मध्य में एक समझौता किया गया है, जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप में जुड़े किसी भी हितधारक के लिए विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह लगे हुए, प्रतिदिन के जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुएं जैसे, टी-शर्ट, कॉफी मग, स्टेशनरी आइटम, जूट बैग आदि उपलब्ध हैं। डॉ. अजय पाल ने कहा कि अवश्य ही इस प्रयास के माध्यम से विश्वविद्यालय की पहुंच जनसामान्य होगी और उसका लाभ विश्वविद्यालय व देशवासियों को प्राप्त होगा।

पंजाब केसरी
FRI,28 JANUARY 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

संविधान की चेतना की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 27 जनवरी (परमजीत, मोहन): भारत का 73वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में कोरोना नियमों का पालन करते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 3 स्थित विद्या वीरता स्थल पर देश की सेवा में शहीद सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और भारत की संवैधानिक परम्परा को याद किया। कुलपति ने इस मौके पर भारतीय गणतंत्र की स्थापना में योगदान देने वाले वीर सपूतों और उसकी रक्षा में जुटे जवानों के बलिदान को याद किया और कहा कि भारतीय संविधान की चेतना की रक्षा हेतु सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान निर्माताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, पहले और बाद में हुई हर बात को ध्यान में रखा है। उन्होंने उन लोगों के दृष्टिकोण, ज्ञान और सामूहिक लोकचार को भी ध्यान में रखा है, जिन्होंने भारत के संविधान निर्माण में योगदान दिया। कुलपति ने कहा कि बीते 2 वर्ष भारत ही नहीं बल्कि समूचे विश्व के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। इस अवधि के दौरान भारत ने कोरोना महामारी से जहां एक ओर खुद को बचाने का कार्य किया, वहीं उसने अन्य देशों को भी इस संकट से लड़ने में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय कुलपति ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए देश के सैनिकों, किसानों व बुद्धिजीवियों के प्रयासों की सराहना की और सभी को मिलकर भारत की प्रगति में योगदान के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में अभिलाषा केंद्र में अध्ययनरत बच्चों ने देशभक्ति गीत पर रंगारंग प्रस्तुति दी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-01-2022**

व्याख्यान

हकेंविवि में विशेषज्ञ व्याख्यान में हरित ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग की जानकारी दी

स्मार्ट सिटी के विकास में आधुनिक परिवहन व्यवस्था अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। परिवहन के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है। इसके माध्यम से हम केंद्र सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटी के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को समझने की और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस मौके पर कुलपति ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों को जानने समझने में मदद मिलेगी। इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फॉर स्मार्ट सिटीज चौलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज विषय पर आयोजित व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से यह सेंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

उन्होंने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों के उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटी की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सूरज आर्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-01-2022**

परिवहन क्षेत्र में उपलब्ध चुनौतियों को समझकर खुद को करें तैयार

हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: परिवहन क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है और इसके माध्यम से हम भारत सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटीज के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को जानने समझने की ओर उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो.नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. स्वयं

की संभावनाओं और चुनौतियों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज-चैलेंजेस एंड ओपोच्युर्निटीज विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट सिटीज की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागियों को इस दिशा में नए प्रयास करने का बल मिलेगा। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों का उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटीज की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। आनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों के उत्तर दिए। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो.पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कर्मचारी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 24-01-2022**

स्मार्ट सिटीज के विकास में आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अहम योगदान

■हकेंवि में सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन ने किया विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 23 जनवरी (परमजीत, मोहन): परिवहन के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है और इसके माध्यम से हम भारत सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटीज के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं।

आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को जानने-समझने की और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय,

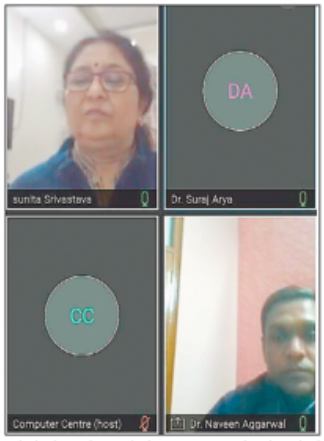

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. नवीन अग्रवाल।

चंडीगढ़ के प्रो. नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

इंटैलिजैंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज-चैलेंजेस एंड ऑपर्च्यूनिटीज विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-ऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से यह सैंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि इन्हीं कोशिशों के परिणामस्वरूप प्रत्येक सप्ताहांत में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न नए विषयों पर केंद्रित विमर्श किया जाता है।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट सिटीज की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागियों को इस दिशा में नए प्रयास करने का बल मिलेगा।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने अपने संबोधन में इंटैलिजैंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने संबोधन में परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से अब पैट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलैक्ट्रिक आदि माध्यमों का उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटीज की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है।

ऑनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों व जिज्ञासाओं का भी निदान किया। कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डा. सूरज आर्य ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी व कर्मचारी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-01-2022**

नेताजी के विचारों को जीवन में चरितार्थ करें

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पराक्रम दिवस के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्वतंत्रता संग्राम एवं आजादी में भूमिका विषय पर आनलाइन माध्यम से विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आनलाइन वेबिनार में हिस्सा लेते अभाविप के सदस्य व अन्य● वेबिनार

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. पूजा राव राष्ट्रीय सह-संयोजिका शोध, मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार कुलपति हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रमोद शास्त्री पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभाविप हरियाणा रहे। वेबिनार के माध्यम से अनमोल रतन ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत अनुराधा ने परिषद गीत द्वारा की। आनलाइन व्याख्यान में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने अभिभाषण में सुभाष चंद्र बोस के अदम्य साहस का वर्णन किया। विशिष्ठ अतिथि प्रो. प्रमोद शास्त्री ने सुभाष चंद्र बोस और हिटलर के ऐतिहासिक मिलन का व्याख्यान किया।

विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस की शिक्षाओं को सामान्य जीवन में चरितार्थ करें। इस अवसर पर रेवाड़ी विभाग के जिला संगठन मंत्री राकेश, रेवाड़ी विभाग संयोजक विनय उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 24-01-2022**

मानव से महामानव बनने की प्रेरणा देता है, नेताजी का जीवन : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नेताजी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

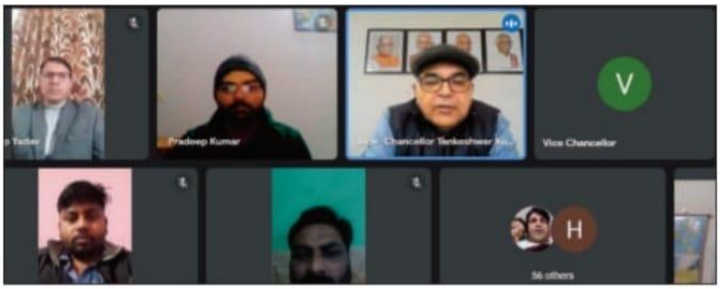

चंडीगढ़। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, जिसे हमारा देश पराक्रम दिवस के रूप में मना रहा है, के उपलक्ष्य में भारतीय शिक्षण मंडल और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के तत्वाधान में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख एवं पालक अधिकारी पंकज नाफड़े मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने ने वेबिनार को सम्बोधित करते हए कहा कि देश को सही दिशा में ले जाने में युवाओं की भूमिका बहुत अहम है। युवा पीढ़ी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

नेताजी सुभाष बोस का जीवन, मानव से महामानव बनने की प्रेरणा देता है। वेबिनार के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप यादव रखी और उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय शिक्षण मंडल, भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जन सामान्य के लिए कैसे उपयोगी बनाया जा सकता है? भारतीय शिक्षण मंडल का उसमें क्या कार्य है और उसकी क्या जिम्मेदारियां हैं? उसके बारे में विस्तृत चर्चा की। डॉ. प्रदीप कुमार ने वेबिनार के मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता पंकज नाफड़े ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की आजादी में बहुत से लोगों का योगदान है। देश के लिए जीने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले युवाओं की आवश्यकता है, जो देश के लिए जी सकें। नेताजी की लोकप्रियता स्वतंत्रता आंदोलन के समय अधिक थी, जिससे उस समय के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें दूर करने के लिए षड्यंत्रकारी उपाय अपनाये।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 24-01-2022**

CUH HOLDS YOUTH PARLIAMENT

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) organised National Environment Youth Parliament 2022 in collaboration with Paryavaran Sanrakshan Gatividhi on the theme "Role of individuals/households in adopting environmental-friendly conservation measures". Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar laid emphasis on the need to conserve nature for coming generations.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Lecture on Intelligent Transportation System for Smart Cities: Challenges & Opportunities

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-01-2022**

व्याख्यान

हकेंविवि में विशेषज्ञ व्याख्यान में हरित ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग की जानकारी दी

स्मार्ट सिटी के विकास में आधुनिक परिवहन व्यवस्था अहम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। परिवहन के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है। इसके माध्यम से हम केंद्र सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटी के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को समझने की और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

इस मौके पर कुलपति ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों को जानने समझने में मदद मिलेगी। इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फॉर स्मार्ट सिटीज चौलेंजेस एंड अपॉर्चुनिटीज विषय पर आयोजित व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की कोऑडिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से यह सेंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

उन्होंने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों के उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटी की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सूरज आर्य ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-01-2022**

परिवहन क्षेत्र में उपलब्ध चुनौतियों को समझकर खुद को करें तैयार

हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दी जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: परिवहन क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है और इसके माध्यम से हम भारत सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटीज के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं। आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को जानने समझने की ओर उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो.नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. स्वयं

की संभावनाओं और चुनौतियों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज-चैलेंजेस एंड ओपोच्युर्निटीज विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट सिटीज की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागियों को इस दिशा में नए प्रयास करने का बल मिलेगा। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

को-आडिनेटर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से अब पेट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलेक्ट्रिक आदि माध्यमों का उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटीज की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है। आनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों के उत्तर दिए। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो.पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कर्मचारी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 24-01-2022**

स्मार्ट सिटीज के विकास में आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अहम योगदान

■हकेंवि में सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन ने किया विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़, 23 जनवरी (परमजीत, मोहन): परिवहन के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का योगदान अब समय की मांग है और इसके माध्यम से हम भारत सरकार की ओर से विकसित की जा रही स्मार्ट सिटीज के विकास में परिवहन से जुड़ी आवश्यकता को पूर्ण कर सकते हैं।

आज जरूरत है इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और चुनौतियों को जानने-समझने की और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित आनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित पंजाब विश्वविद्यालय,

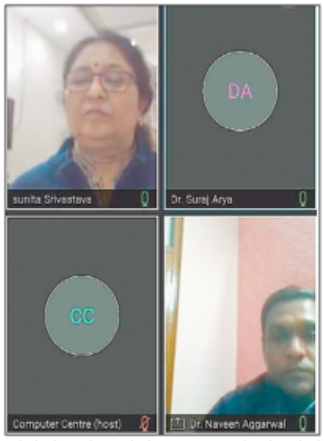

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रो. नवीन अग्रवाल।

चंडीगढ़ के प्रो. नवीन अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधन से इस दिशा में भविष्य की संभावनाओं व चुनौतियों को जानने-समझने में मदद मिलेगी।

इंटैलिजैंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज-चैलेंजेस एंड ऑपर्च्यूनिटीज विषय पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आरंभ में विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की को-ऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस तरह से यह सैंटर विश्वविद्यालय स्तर पर नए शोध व इनोवेशन के विकास में प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि इन्हीं कोशिशों के परिणामस्वरूप प्रत्येक सप्ताहांत में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न नए विषयों पर केंद्रित विमर्श किया जाता है।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से भी स्मार्ट सिटीज की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को जानने-समझने में मदद मिलेगी और प्रतिभागियों को इस दिशा में नए प्रयास करने का बल मिलेगा।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. नवीन अग्रवाल ने अपने संबोधन में इंटैलिजैंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम फोर स्मार्ट सिटीज पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने अपने संबोधन में परिवहन व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हरित ईंधन के उपयोग और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी प्रतिभागियों को दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से अब पैट्रोल, डीजल के स्थान पर बायोफ्यूल, इलैक्ट्रिक आदि माध्यमों का उपयोग की दिशा में कार्य जारी है और इनकी मदद से इन स्मार्ट सिटीज की परिवहन व्यवस्था को आदर्श रूप प्रदान किया जा सकता है।

ऑनलाइन व्याख्यान के अंत में विशेषज्ञ वक्ता ने प्रतिभागियों के सवालों व जिज्ञासाओं का भी निदान किया। कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डा. सूरज आर्य ने प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. पवन कुमार मौर्य, डा. अनूप यादव और सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी व कर्मचारी शामिल हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Sections/Cells/Clubs presentation organised by IQAC

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक: कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें। ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विवि की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार को स्वमूल्यांकन अति आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हकेंवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आईक्यूएसी के प्रयासों से सोमवार को विवि के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें व प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का मौका हमें प्राप्त होता है। कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विवि की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्व:मूल्यांकन आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

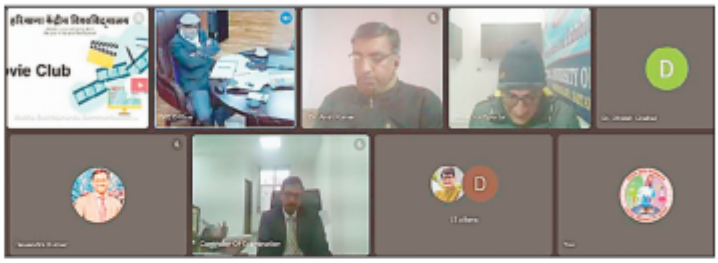

प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण देने का दृश्य।

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्व:मूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आई.क्यू.ए.सी. की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आर.टी.आई. सैल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-01-2022**

'महिलाएं आज भी नहीं ले पातीं निर्णय'

हकेंविवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वेबिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

देश के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। ईरा सिंघल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणाम स्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव, आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक: कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण - प्रो. टंकेश्वर

नारनौल| भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार केंविवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें।

इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तीकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों और परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल और सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव और आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

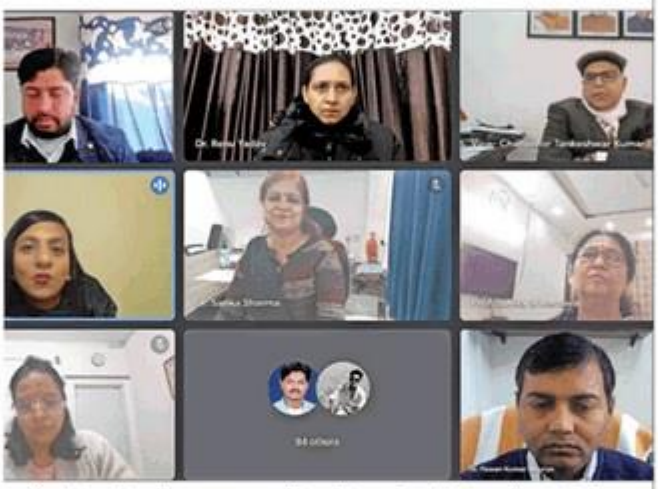

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं ओर से ऊपर वाले कालम में सबसे पहले: ● सौ. हकेविवि

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें। ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विवि की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

■ हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Motherland Voice **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने

विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत, मोहन): भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके

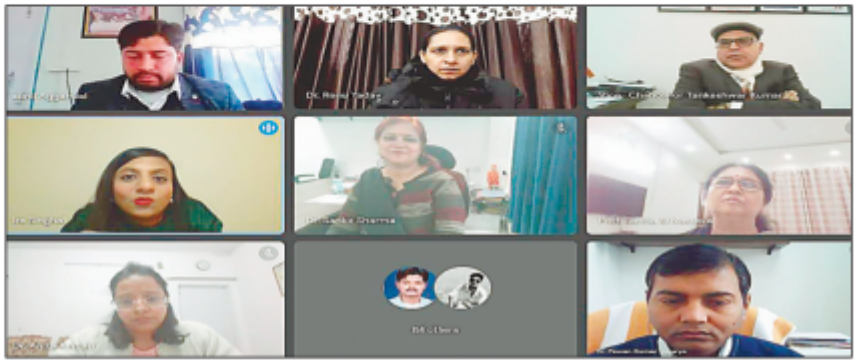

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय करवाया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार को स्वमूल्यांकन अति आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हकेंवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आईक्यूएसी के प्रयासों से सोमवार को विवि के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक के लिए महत्त्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें व प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का मौका हमें प्राप्त होता है। कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विवि की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एव अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2022**

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्व:मूल्यांकन आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

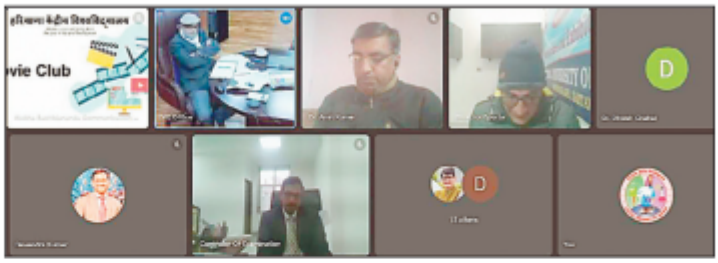

प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण देने का दृश्य।

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्व:मूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है।

विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आई.क्यू.ए.सी. की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आर.टी.आई. सैल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

National Girls Child Day Celebration

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-01-2022**

'महिलाएं आज भी नहीं ले पातीं निर्णय'

हकेंविवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर वेबिनार का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

देश के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। ईरा सिंघल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणाम स्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव, आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ की डॉ. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक: कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रयासों से विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतीकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें और ऐसे प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक शाखा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, स्थापना शाखा, आरटीआई सेल सहित लगभग 60 क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने अपने प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण - प्रो. टंकेश्वर

नारनौल| भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आत्मनिर्भर भारत की विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार केंविवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान महत्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें।

इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय के महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तीकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों और परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल और सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव और आर्थिक सशक्तीकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

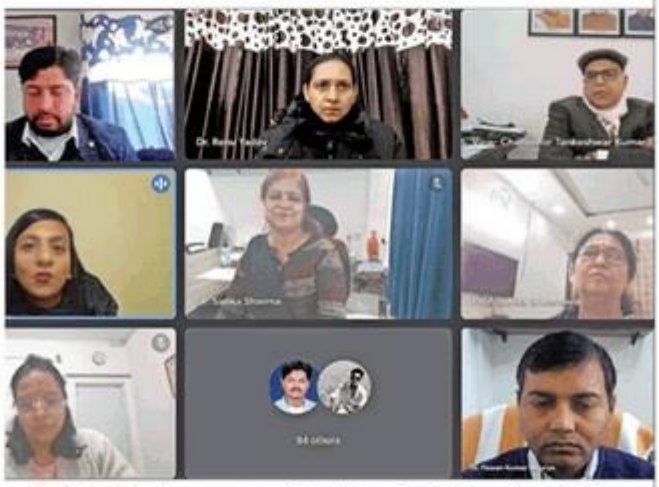

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाएं ओर से ऊपर वाले कालम में सबसे पहले: ● सौ. हकेविवि

गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन आवश्यक

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रयासों से सोमवार को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों, प्रकोष्ठों एवं अनुभागों ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के समक्ष विभागीय प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि इस तरह का प्रस्तुतिकरण राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के लिए महत्वपूर्ण होता है। गुणवत्ता में सुधार के लिए स्वमूल्यांकन की यह प्रक्रिया आवश्यक है और अवश्य ही इससे प्रतिभागी लाभांवित होंगे। किसी भी संस्थान की प्रगति केवल तभी संभव है, जब उसके सभी सहभागी मिलकर प्रयास करें। ऐसे प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एक-दूसरे अनुभागों की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं से अवगत होने का अवसर हमें प्राप्त होता है। विवि की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से हमें भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु योजना बनाने में मदद मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर

■ हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। मौके पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Motherland Voice **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्त्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता

महेंद्रगढ़। भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्त्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डा. रेनु यादव ने

विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय कराया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरूषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 25-01-2022**

भारत के विकास में आधी आबादी की आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत, मोहन): भारत के विकास में आधी आबादी का योगदान सदैव से ही महत्वपूर्ण रहा है। आज हम जब आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में महिलाएं भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस कार्य में शिक्षा और पारिवारिक माहौल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली राजस्व विभाग में उपायुक्त सुश्री ईरा सिंघल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सांझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम के आरंभ में प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने विषय परिचय प्रस्तुत किया। इसके

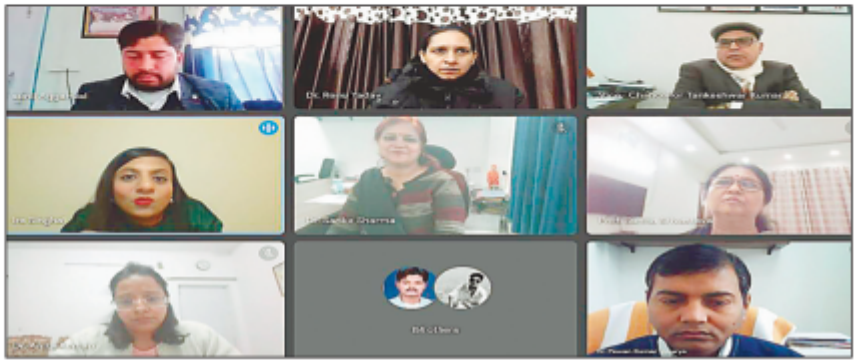

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षक सुनील अग्रवाल ने अतिथि वक्ता ईरा सिंघल का परिचय करवाया। सुश्री ईरा सिंघल ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं के आर्थिक रूप में आत्मनिर्भर होने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं के पुरुषों व परिवार पर आश्रित होने के परिणामस्वरूप ही वह अपने निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम नहीं होती हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से न सिर्फ सबल व सक्षम बनेंगी बल्कि प्रयासों से देश के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी। इस अवसर पर प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने भी सामाजिक सोच में बदलाव व आर्थिक सशक्तिकरण को महिलाओं के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की डा. अनीता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH student reached the final of NEYP

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-01-2022**

एनईवाईपी के फाइनल राउंड में हकेंवि की छात्रा सिमरन का चयन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 में

उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि फाइनल राउंड में शीर्ष दस प्रतिभागियों को स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-01-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद (एनईवाईपी) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को भारत की संसद में आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र

सिमरन चौहान ● सौ. हकेवि

सिमरन ने राष्ट्रीय युवा पर्यावरण संसद में किया उल्लेखनीय प्रदर्शन, 27 फरवरी को भारत की संसद में होने वाली प्रतियोगिता में लेंगी भाग

सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने स्वजन को दिया।

नारनौल निवासी शिवचरण चौहान की पुत्री सिमरन ने बताया कि वह देश की सेवा की इच्छुक हैं और इसके लिए वह सिविल सर्विसेज के लिए भी तैयारी कर रही है। यहां बता दें कि सिमरन मार्शल आर्ट में भी महारत रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी हैं।

सिमरन की मां मंजू चौहान ने बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बेटियां अब बेटों से आगे हैं। इस बात को सिमरन ने साबित कर दिया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 26-01-2022**

छात्रा सिमरन एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट एनईवाईपी 2022 उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के तहत आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है, जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-01-2022**

ह.कें.वि. की छात्रा सिमरन एन.ई.वाई.पी. के फाइनल में

महेंद्रगढ़, 25 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नैशनल एन्वायरनमैंट यूथ पार्लियामैंट (एन.ई.वाई.पी.) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एम.टैक. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राऊंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

सिमरन चौहान।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राऊंड में शीर्ष 10 प्रतिभागियों में स्थान मिला है, जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 26-01-2022**

हकेवि की छात्रा सिमरन चौहान पहुंची एनईवाईपी के फाइनल में

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घा सी दा स वि श्व वि द्या ल य, बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले इस प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अंतिम चरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है। जिसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 27 फरवरी को होगा। सिमरन चौहान ने अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय विश्वविद्यालय शिक्षकों व अपने परिवारजनों को दिया। नारनौल निवासी श्री शिवचरण चौहान की पुत्री सिमरन ने बताया कि वह देश की सेवा की इच्छुक है और इसके लिए वह सिविल सर्विसेज के लिए भी तैयारी कर रही है। यहां बता दें कि सिमरन मार्शल आर्ट में भी महारत रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर चुकी है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-01-2022**

हकेविवि की छात्रा सिमरन चौहान एनईवाईपी के फाइनल में पहुंची

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सिमरन चौहान ने नेशनल एनवायरमेंट यूथ पार्लियामेंट (एनईवाईपी) 2022 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

विश्वविद्यालय में एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित जोनल स्तरीय प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

छात्रा को आगामी 27 फरवरी को आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सिमरन चौहान के प्रदर्शन की सराहना की। विश्वविद्यालय में इस प्रतियोगिता के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सिमरन चौहान का चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालय से शामिल 71 विद्यार्थियों में से हुआ है। उन्हें फाइनल राउंड में लिए शीर्ष दस प्रतिभागियों में स्थान मिला है।